शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय

राजनांदगांव(छ.ग.)

विभागीय प्रतिवेदन

2022-23

संस्कृत विभाग

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS POSTGRADUATE COLLEGE, RAJNANDGAON

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

Affilated to Hemchand Yadav Vishwavidyalaya , Durg (C.G.)

(Erstwhile- Durg Vishwavidyalaya, Durg)

" विद्या सर्वस्व भूषणम "

स्थपना वर्ष 1957

ACCREDITED WITH GRADE B++ NAAC

विभागाध्यक्ष	प्राचार्य
डॉ.दिव्या देशपांडे	डॉ. के. एल. टांडेकर

विभागीय प्रतिवेदन

2022-23

संस्कृत विभाग

विभाग का परिचयः-स्थापना वर्ष–

- स्नातक- 1957
- स्नातकोत्तर- 2003

स्वीकृत पद –

- प्राध्यापक- 01
- सहा. प्राध्यापक- 02

संचालित पाठ्यक्रम-

- स्नातक एवं स्नातकोत्तर

विभाग में कार्यरत प्राध्यापकः-

सहायक प्राध्यापक - 02

- डॉ. दिव्या देशपाण्डे
- डॉ. ललित प्रधान आर्य

अतिथि व्याख्याता - 01

- डॉ. महेन्द्र नगपुर

संस्कृत साहित्य परिषद

- **अध्यक्ष** - कुमारी यूनेश्वरी
- **उपाध्यक्ष** – श्री अतुल कुमार त्रिपाठी

- **सचिव** – कुमारी कौशल्या
- **सहसचिव** – श्री योगिता
- **कार्यकारी सदस्य** :- स्नातकोत्तर स्तर संस्कृत तथा स्नातक स्तर संस्कृत

के सभी छात्र संस्कृतसाहित्यपरिषद् के सदस्य होंगें।

अध्ययन दल की बैठक -दिनांक 22.7. 2022

संस्था के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर जी के निर्देशानुसार संस्कृत विभाग में दिनांक 22.7. 2022 को अध्ययन मंडल की बैठक आयोजित की गई।छत्तीसगढ़ शासन के आदेशानुसार महाविद्यालय में नई शिक्षानीति के अनुसार स्नातकस्तर के पाठ्यक्रम का निर्माण किया जाना था तदनुसार सत्र 2022-23 मे बी. ए. प्रथमवर्ष मे संस्कृत विषय के लिए पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया जो सेमेस्टर सिस्टम पर आधारित है ।स्नातक द्वितीय एवं तृतीयवर्ष (विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम अनुसार) तथा स्नातकोत्तर प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर का पाठ्यक्रम गत वर्ष अनुसार ही स्वीकृत किया गया है।

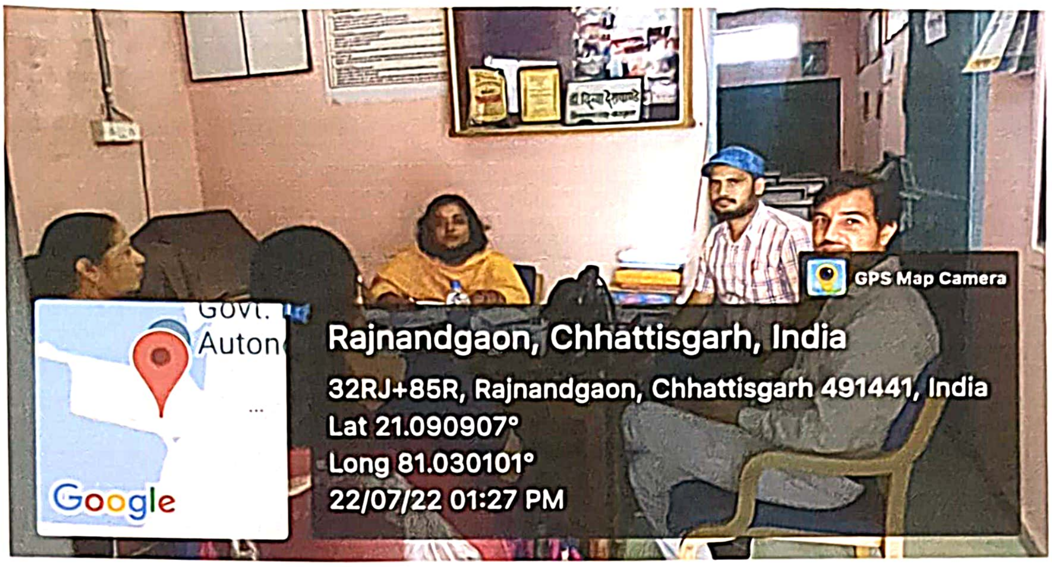

संस्कृत सप्ताह- दिनांक 8.08.2022 से दिनांक 14.08.2022

संस्कृत सप्ताह का आयोजन प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विभाग द्वारा दिनांक **8.08.2022 से दिनांक 14.08.2022** तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के प्रथमदिवस विभाग ने विद्यार्थियों द्वारा संस्कृत वस्तुप्रदर्शनी लगाई गई ।इसका उद्घाटन संस्था के प्राचार्य

डॉ. के.एल टांडेकर जी द्वारा किया गया। प्राचार्य जी ने व स्तु प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए छात्रों के प्रयास की प्रशंसा की।साथ ही वानिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. एच. एस भाटिया ने छात्रों को प्रोत्साहित किया।विभागाध्यक्ष डॉ दिव्या देशपांडे ने संस्कृत सप्ताह आयोजित करने के उद्देश्य एवं महत्व को रेखांकित किया।इस अवसर पर विभाग द्वारा छात्रा केलिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

1. दिनांक 10.8.2022 संस्कृत श्लोकपाठ प्रतियोगिता
2. दिनांक 12.8.2022 संस्कृत निबंध प्रतियोगिता
3. दिनांक 13.8.2022 संस्कृत गीत प्रतियोगिता
4. दिनांक 14.8.2022 संस्कृतसप्ताह समापनकार्यक्रम एवं पुरस्कारवितरण

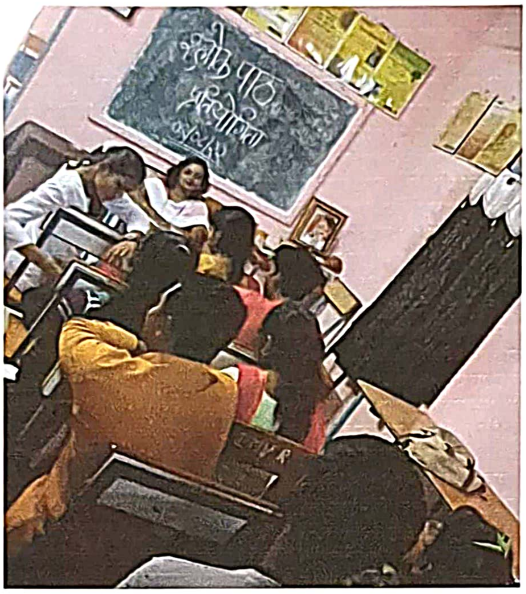

गीता का संदेश विषय पर व्याख्यान- दिनांक 14.9.2022

दिनांक 14.9.2022 को संस्कृत विभाग एवं दर्शनशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गीता का संदेश विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर जी ने उपस्थित होकर विद्यार्थियों को गीता का जीवन दर्शन अपने जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा दी। दर्शन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ हरनाम सिंह अलरेजा ने गीता में आत्मप्रबंधन के तत्वों को सविस्तार समझाया। कार्यक्रम का सफल सञ्चालन संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ दिव्या देशपांडे ने किया। डॉ.महेंद्र नगपुरे ने कार्यक्रम के समापन पर आभार प्रकट किया।

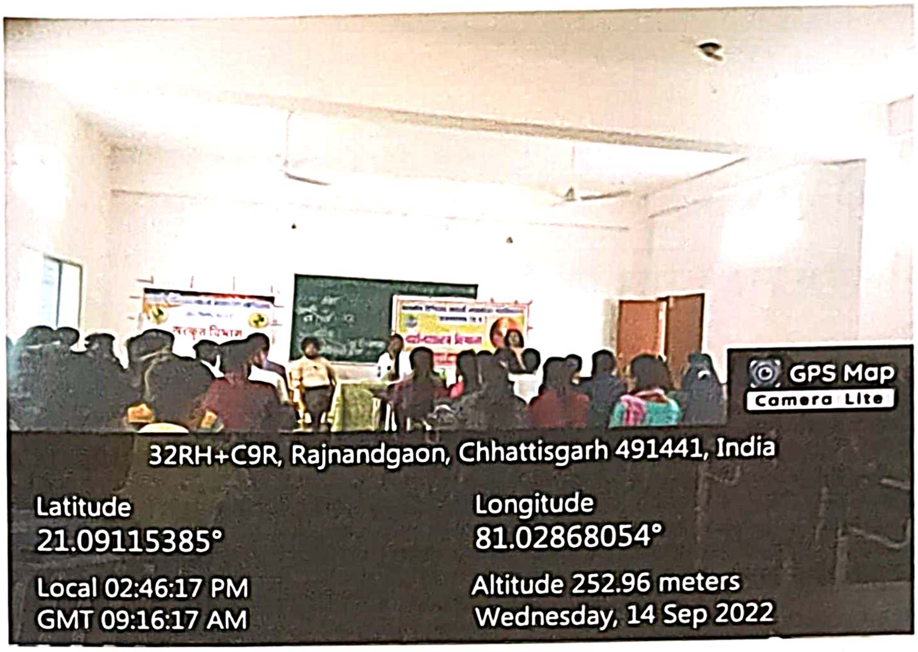

वाल्मीकि जयंती- दिनांक 11.10.2022

दिनांक 11.10.2022 को विभाग द्वारा आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की स्मृति में वाल्मीकि जयंती मनाई गई।इस कार्यक्रम में महर्षि वाल्मीकि के जीवन को रामायण एवं अन्य ग्रंथ के आलोक में समझने का प्रयास किया गया।विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ ललित प्रधान ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन पवित्र त्याग एवं सदाचार से युक्त था।उन्होंने स्वयं को प्रचेता का दसवा पुत्र बताते हुए कहा है कि मैंने जीवन में कभी भी मन वचन और कर्म से पापकर्म नहीं किए।अत: इससे सिद्ध होता है कि समाज में फैली जो भ्रांति है कि महर्षि वाल्मीकि कभी रत्नाकर डाकू के नाम से विख्यात थे, यह सत्य नहीं

है। कार्यक्रम का सफल सञ्चालन विभागाध्यक्ष डॉ दिव्या देशपांडे ने संस्कृत भाषा में किया।

संस्कृत संभाषण कार्यशाला -11.10.2022 से 21.10.2022

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 1 1.10.2022 से 21.10.2022 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि जागृत करना , सीखना, समझना तथा संभाषण कौशल के विकास के लिए संस्कृत संभाषण कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्कृत संभाषण कार्यशाला के प्रशिक्षक श्री नरेंद्र कुमार साहू ने उपस्थित होकर विभाग के समस्त विद्यार्थियों को एक विशेष अध्यापन पद्धति द्वारा छात्रों में संभाषण कौशल के विकास के साथ संप्रेषण, ग्रहण इत्यादि क्षमता का विकास किया। कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ अंजना ठाकुर ,संभाषण प्रशिक्षक श्री नरेंद्र कुमार,विभागाध्यक्ष डॉ दिव्या देशपांडे ,विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ ललित प्रधान तथा अतिथि व्याख्याता डॉ महेंद्र कुमार उपस्थित थे । उद्घाटन के पश्चात् निरंतर 10 दिवस संस्कृत सम्भाषण का प्र शिक्षण प्रतिदिन दोपहर 2.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक दिया गया , जिससे न केवल विद्यार्थियों के भाषा कौ शल का वर्धन हुआ अपितु उनके संस्कृत शब्द भंडार, आत्मविष्वास, उच्चारण क्षमता का भी विकास हुआ। दिनांक 21.10.2022 को इस सम्भाषण कार्यशाला का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा दूरवाणी सम्भाषण , परस्पर वार्तालाप, अनुभव कथन, संस्कृत गीत गायन आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किये

गये। संस्कृत सम्भाषण कार्यशाला से लगभग 40 विद्यार्थी लाभान्वित हुये। इस कार्यशाला में सहभागी हुये विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

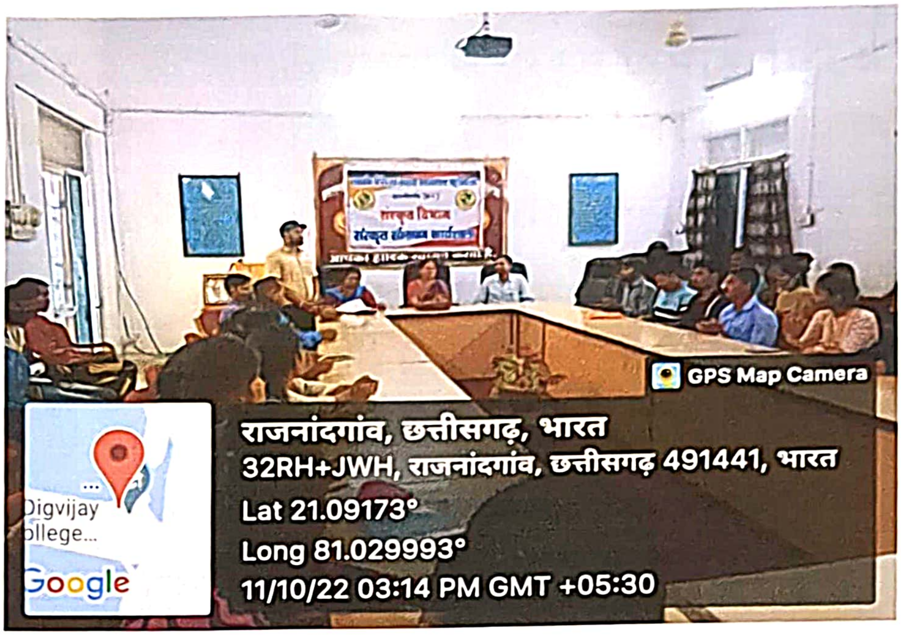

अंतर्विभागीय व्याख्यान- दिनांक19.10.2022(डॉ. शंकरमुनि राय)

दिनांक19.10.2022 को महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित अंतर्विभागीय व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ शंकर मुनि राय उपस्थित थे। उनका विषय था 'वक्तृत्व कला'। उन्होंने कहा कि संभाषण कौशल औपचारिक और अनौपचारिक भेद से दो प्रकार के होते हैं। मंच इत्यादि पर बोलना औपचारिक होता है। बोलने से शारीरिक भाषा का भी महत्वपूर्ण स्थान है। विद्यार्थी को संभाषण कौशल में प्रवीण होना चाहिए ,इससे उसका व्यक्तित्व निखरता है। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ.दिव्या देशपांडे ने किया। इस अवसर पर डॉ ललित प्रधान तथा डॉ महेंद्र नगपुरे एवं 25 छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए।

दिग्विजय व्याख्यान माला.दिनांक 2.11. 2022

संस्कृतविभाग द्वारा दिग्विजय व्याख्यानमाला के अंतर्गत आयोजित विशेष व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. योगेंद्र चौबे (एसोसिएट प्रोफेसर विभाग इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ)उपस्थित थे। उन्होंने नाटक के सिद्धांत और प्रयोगात्मक पक्ष पर विस्तृत प्रकाश डाला। उनका कहना है कि शास्त्र का कर्म मे रूपांतरण ही प्रयोग है ।आचार्य भरतमुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र प्रयोग का ही परिणाम है। डॉ. चौबे के अनुसार नाटक संप्रेषण का माध्यम है ।इसमें समाज के लिए एक संदेश होना चाहिए । नाटक केवल मनोरंजन का साधन नहीं अपितु समाज को शिक्षित करने का माध्यम भी है। आदरणीय प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर का कहना है, कि नाटक दृश्य होने के कारण प्रभावी होता है, जिसको आत्मसात कर वह अपने आदर्श की तरह बन सकता है। नाट्य

केवल कला ही नहीं अपितु ज्ञान विज्ञान से परिपूर्ण तत्व है। विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे ने कार्यक्रम का संचालन किया , डॉ.ललित प्रधान ने मुख्य वक्तव्य का सार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर 30 छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

अंतर्विभागीय व्याख्यान- दिनांक 26.11.2022(डॉ. हरनाम सिंह अलरेजा)

महाविद्यालय के आदरणीय प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में संस्कृत विभाग में दिनांक 26.11.2022 को अंतर्विभागीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में दर्शन

शास्त्रविभाग के विभागाध्यक्ष आदरणीय डॉ.हरनाम सिंह अलरेजा ने भारतीय आस्तिक दर्शन विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।डॉ अलरेजा ने षड आस्तिक दर्शनों का परिचय,स्वरूप एवं प्रमुख सिद्धांतों को विस्तार से प्रस्तुत किया।

गीता जयंती- दिनांक 05.12.2022

संस्कृत विभाग द्वारा

दिनांक 05.12.2022 को कांफ्रेंस हाल मे गीत जयंती का आयोजन किया गया। गीता जयंती गीता का उपदेश महाभारत के भीष्म पर्व में प्राप्त होता है। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा गीता में भगवान कृष्ण के निर्देशों का पालन कर जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपांडे में छात्रों को गीता के 12 वें अध्याय का सार समझाया। डॉ ललित प्रधान कर्म के विविध भेदों की व्याख्या की। सभी

उपस्थित विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के द्वारा गीता के द्वादश अध्याय का पाठ भी किया गया। डॉक्टर महेंद्र नगपुरे ने आभार प्रकट किया।इस कार्यक्रम के पश्चात विद्यार्थियों के लिए गीता ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया।इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

संस्कृत साहित्य परिषद का गठन- 10.12. 2022

दिनांक 10.12. 2022 संस्कृत साहित्य परिषद का गठन किया गया। परिषद के पदाधिकारियों के रूप में अध्यक्ष के रूप में कुमारी यूनेश्वरी, उपाध्यक्ष अतुल कुमार त्रिपाठी, सचिव कुमारी कौशल्या, तथा उपसचिव के रूप में कुमारी योगिता का चयन किया गया। इस

अवसर पर संस्था के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने संस्कृत साहित्य परिषद के पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए एवं इसके कार्यकलापों की जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि संस्कृत साहित्य परिषद के माध्यम से विभाग के अनेक विभागीय कार्यक्रमों तथा गतिविधियों का संपादन किया जाना चाहिए,जिससे विद्यार्थियों मे जिम्मेदारी के साथ-साथ अनुभव और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। विभाग के अध्यक्ष डॉ दिव्या देशपांडे महोदय विद्यार्थियों को अपने दायित्व एवं कर्तव्य से अवगत कराया । सहायक प्राध्यापक डॉ ललित प्रधान ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकेद्वारा कि जाने वाले कार्यक्रम एवं गतिविधियों की जानकारी प्रदान की जिम्मेदारियों से अवगत कराया। डॉ.महेंद्र नगपुरे ने कार्यक्रम के समापन पर आभार प्रकट किया।

वसंत पंचमी- दिनांक 27.1.2023

दिनांक 27.1.2023 को विभाग द्वारा वसंत पंचमी मनाई गई। इस अवसर पर विभाग द्वारा अनेक कार्यक्रम किए गए जिनमे हवन, पूजन ,संस्कृत श्लोकपाठ एवं गीत गायन कार्यक्रम शामिल थे। कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। छात्रों द्वारा पुष्पगुच्छ प्रदान कर एवं शंख वादन करके उनका स्वागत किया गया। आदरणीय प्राचार्य महोदय ने विद्या की देवी मां सरस्वती के समक्ष पुष्प समर्पित करके तथा दीप प्रज्वलन कर के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात मां सरस्वती के समक्ष सरस्वती वंदना का उच्चारण करते हुए विधिवत वंदन एवं पूजन किया गया। हिन्दी विभाग के अध्यक्ष आदरणीय डॉ. शंकर मुनि राय ने यजमान के दायित्व का निर्वहन करते हुए विधिवत हवन एवं पूजन के कर्मों का संपादन किया। सरस्वती पूजन के पश्चात विभाग में हवन किया गया। हवन मे विधि विधान पूर्वक मंत्रों का उच्चारण करते हुए श्रद्धा पूर्वक विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने आहुति प्रदान की। इस अवसर पर छात्रों में उत्साह देखा गया। हवन के पश्चात ई लेक्चर रूम में श्लोक पाठ एवं गीतगायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक के हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ शंकर मुनि राय रसायन शास्त्र विभाग के श्री शरद कुमार तिवारी उपस्थित रहे। विजेता छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

शैक्षणिक भ्रमण-दिनांक 30.01.2023 से 04.02. 2023

दिनांक 30.01.2023 से 04.02. 2023 तक महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत उज्जैन का भ्रमण किया गया। प्रथम दिन कालिदास संस्कृत अकादमी एवं महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय का भ्रमण किया गया। कालिदास संस्कृत अकादमी में कालिदास द्वारा रचित अभिज्ञान शाकुंतलम्, रघुवंशम, मेघदूतम आदि विभिन्न ग्रंथों के प्रमुख

प्रसंगों पर आधारित चित्रवीथि का अवलोकन किया गया। विशेष रुप से भरेवा कला (पीतल, तांबा आदि विभिन्न धातुओं के मिश्रण से निर्मित प्रतिकृति) से निर्मित कलाकृतियों की जानकारी प्राप्त की गई, जो विद्यार्थियों के लिए बहुत ही रोचक एवं ज्ञानवर्धक रहा। महर्षि पाणिनि विश्वविद्यालय जो आधुनिक प्राचीन संस्कृत के अध्ययन का प्रमुख केंद्र है, वहां संचालित विभिन्न प्रकार के डिप्लोमा कोर्स जैसे वास्तु, ज्योतिष , संस्कृत संभाषण इत्यादि की जानकारी ली गई। परिसर में भ्रमण के उपरांत एक मीटिंग का भी आयोजन किया गया था, जहां विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर विजय कुमार सी.जी. ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। साथ ही प्राध्यापकों ने भी अपने अनुभव साझा किए। दूसरे दिन भगवान श्रीकृष्ण की तपस्थली महर्षि सांदीपनि आश्रम का भ्रमण किया गया, जहां श्री कृष्ण के द्वारा सीखी गई 64 कलाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। इसके पश्चात वेद विद्या प्रतिष्ठान में वैदिक ज्ञान के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की गई। वेधशाला (जंतर मंतर) में ज्योतिष के बारे में सामान्य जानकारी विद्यार्थियों ने प्राप्त किया। भ्रमण के तीसरे एवं अंतिम दिन द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक ओम्कारेश्वर का भ्रमण किया गया। इस प्रकार विभाग द्वारा शैक्षणिक भ्रमण के लिए की गई यह यात्रा अपने निर्धारित उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रही

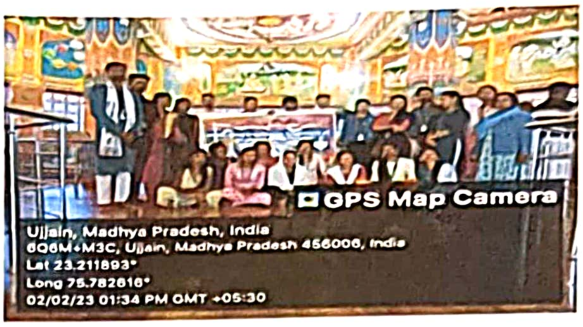

अन्य गतिविधियाँ

- **स्वच्छता कार्य**

संस्कृत विभाग में प्रत्येक शनिवार को विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों द्वारा विभाग एवं विभाग के सामने के परिसर की स्वच्छता का कार्य संपादित किया जाता है।

- **आधुनिक संचार साधनों का प्रयोग करते हुए अध्यापनः-**

संस्कृत विभाग में अध्यापन हेतु आधुनिक संचार साधनों का भी प्रयोग किया जाता है। विद्यार्थियों को कक्षा में अध्ययनोपयोगी एन्ड्राईड मोबाईल एप्स की जानकारी दी गई। इंटरनेट के माध्यम से संस्कृत वार्तावली इत्यादि कार्यक्रमों, संस्कृत लघु फिल्मों का प्रदर्षन विद्यार्थियों के समक्ष समय-समय पर किया गया। यू-ट्यूब पर उपलब्ध नेट (NET) तथा सेट (SET) से संबंधित प्रामाणिक व्याख्यान विडियो की भी जानकारी विद्यार्थियों को दी गई।